सत्र-2021-22

आदर्श प्रश्नपत्र

विषय-प्रारम्भिक हिन्दी

कक्षा-9

समय- 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक-70

नोट-

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) प्रश्नपत्र दो खण्डों में विभाजित है। खण्ड-अ एवं खण्ड ब।

(iii) खण्ड-अ में 20 अंक के बहुविकल्पीय प्रश्न दिये गये है।

(iv) खण्ड-ब में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न दिये गये है। प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख निर्धारित अंक अंकित है।

(खण्ड-अ)

बहुविकल्पी प्रश्न-

1- भारतेन्दु युग की विशेषता नहीं है- 1

क- भारतेन्दु ने साहित्य को जन-जीवन से सम्बद्ध किया।

ख- भारतेन्दु युग में नाटकों की रचना प्रचुर मात्रा में हुई।

ग- भारतेन्दु के प्रभाव से एक अच्छा लेखक-मण्डल तैयार हो गया।

घ- भारतेन्दु युग की समय-सीमा सन् 1900 से 1918 तक है।

2- कविवचन सुधा, हरिश्चन्द्र मैगजीन, हरिश्चन्द्र चन्द्रिका के सम्पादक बताइए- 1

क- बालकृष्ण भट्ट ख-भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

ग-प्रतापनारायण मिश्र घ-प्रेमचन्द्र।

3- हिन्दी में आधुनिक आलोचना का प्रारम्भ कब से माना जाता है- 1

क-आधुनिक काल से ख-भारतेन्दु युग से

ग-द्विवेद्वी युग से घ-शुक्लोत्तर युग से।

4- 'मन्त्र' कहानी के लेखक का नाम बताइए? 1

क-जय शंकर प्रसाद ख-प्रेम चन्द्र

ग-जैनेन्द्र घ-श्री राम शर्मा ।

5- किस काल को हिन्दी काव्य का 'स्वर्ण युग' कहा जाता है? 1

क-मध्यकाल ख-श्रृंगार काल

ग-वीरगाथा काल घ-युद्धकाल।

6- आदिकाल की कविता का प्रमुख विषय क्या था? 1

क-आश्रयदाता राजाओं की प्रशंसा ख-राष्ट्रीयता की भावना

ग-रीति ग्रन्थों की रचना घ-ईश्वर में सहज विश्वास।

7- 'रामचरित मानस' की कथा का मूल स्त्रोत बताइए- 1

क-रामचन्द्रिका ख-वाल्मीकि रामायण

ग-रामरास घ-हनुमन्तरास ।

8- साखी, सबद, रमैनी किसकी रचना है- 1

Downloaded from cclchapter.com

क-धर्मदास ख-कबीरदास
ग-सुन्दरदास घ-मलूकदास।

9- "श्रृंगार रस"की विशेषता नही है- 1
क-स्थायी भाव-उत्साह ख-श्रृंगार रस के दो भेद है।
ग-संयोग एवं वियोग श्रृंगार। घ-स्थायी भाव-रति।

10- 'बंदऊँ गुरु-पद पदुम परागा। सुरुचि सुबास सरस अनुरागा' के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ है बताइए- 1
क-ग्यारह मात्राएँ ख-सोलह मात्राएँ
ग-बीस मात्राएँ घ-तेरह मात्राएँ।

11- 'तरनि तनुजा तट तमाल-तरुवर बहु छाए'। में अलंकार है- 1
क-उपमा अलंकार ख-अनुप्रास अलंकार
ग-श्लेष अलंकार घ-रूपक अलंकार।

12- 'यथाशक्ति' का समास –विग्रह है- 1
क-शक्ति+अनुसार ख-यथ+शक्त
ग-यथा+शक्ति घ-यथ+नुसार।

13- माता-पिता, दिन-रात आदि के बीच किस विराम चिन्ह का प्रयोग हुआ है? 1
क-समतासूचक ख-योजक
ग-संक्षेप चिह्न घ-अल्पविराम।

14- 'अस्थि' शब्द का तद्भव बताइए- 1
क-कलश ख-हड्डी
ग-अश्रु घ-अग्र।

15- चिड़िया' का तत्सम शब्द है- 1
क-कपोत ख-चटका
ग-कोकिल घ-चन्द्रिका।

16- 'अज्ञान' का विलोम है- 1
क-प्रखर ख-ज्ञान
ग-ज्ञानी घ-तेज।

17- कमल,राजीव,जलज,नलिन आदि कहलाते है- 1
क-विलोम ख-पर्यायवाची
ग-उपसर्ग घ-प्रत्यय।

18- 'महाशयः' का सन्धि-विच्छेद बताइए- 1
क-महान+आशयः ख-महा+आशयः
ग-महा+शयः घ-महा+आलयः

19- भानु' शब्द का पंचमी विभक्ति और द्विवचन बताइए- 1
क-भानौः ख-भानुभ्याम्
ग-भानुः घ-भानवे।

20- 'कृ' धातु विधिलिङ्. लकार,मध्यम पुरुष, द्विवचन का रूप बताइए- 1
क-करोतु ख-कुर्यातम्

Downloaded from cclchapter.com

ग-कुरुत घ-अकरोत्।

खण्ड-ब

प्रश्न-21 निम्नलिखित गद्यांश के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दिजिए- 3x2=6

क- महागुरु, नयी आशा, नयी उमंग, नये उल्लास की आशा में आज इस देश की जनता तुम्हारे चरणों में प्रणति निवेदन कर रही है। आशा की ज्योंति विकीर्ण करो, मैत्री और प्रीति की स्निग्ध धारा से आप्लावित करो। हम उलझ गये हैं, भटक गये है, पर कृतज्ञता अब भी हम में रह गयी है। आज भी हम तुम्हारी अमृतोपम वाणी को भूल नहीं गये हैं। कृतज्ञ भारत का प्रणाम अंगीकार करों।

प्रश्न-i-लेखक गुरु से किस प्रकार की ज्योति विकीर्ण करने का निवेदन कर रहा है?

ii-कृतज्ञता से आप क्या समझते है?

iii-कृतज्ञ भारत का प्रणाम अंगीकार करने का क्या अभिप्राय है?

अथवा

ख- दुनिया में दो अमोघ शक्तियों है-शब्द और कृति। इसमें कोई शक नहीं कि 'शब्दों' ने सारी पृथ्वी को हिला दिया है। किन्तु अन्तिम शक्ति तो 'कृति' की है। महात्मा जी ने इन दोनों शक्तियों में से अधिक श्रेष्ठ उपासना की है। कस्तूरबा ने इन दोनों शक्तियों में से अधिक श्रेष्ठ शक्ति कृति की नम्रता के साथ उपासना करके सन्तोष माना और जीवनासिद्धि प्राप्त की।

प्रश्न- i-शब्द और कृति से लेखक का क्या तात्पर्य है?

ii-गांधीजी ने किसकी उपासना की?

iii-कस्तूरबा कैसी महिला थीं?

प्रश्न-22 निम्नांकित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 3x2=6

क- मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई।
जाके सिर मोर मुकुट, मेरो पति सोई।
तात मात भ्रात बन्धु, आपनो न कोई।।
छाँड़ि दई कुल की कानि, कहा करिहै कोई।
संतन ढिंग बैठि-बैठि, लोक लाज खोई।।
अँसुवन जल सींचि-सींचि, प्रेम बेलि बोई।
अब तो बेल फैल गयी, आणंद फल होई।।
भगति देखि राजी हुई, जगत देखि रोई।
दासी मीरा लाल गिरधर, तारो अब मोई।।

प्रश्न- i-'मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई' से क्या तात्पर्य है?

ii-मीरा के काव्य में व्यक्त रहस्यवाद का परिचय दीजिए।

iii-मीरा ने किस भाषा में रचना की है?

Downloaded from cclchapter.com

अथवा

ख- चारू चन्द्र की चंचल किरणें खेल रही हैं जल-थल में,
स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अवनि और अम्बर-तल में।
पुलक प्रकट करती है धरती हरित तृणों की नोकों से,
मानव झूम रहे हैं तरु भी मन्द पवन के झोंकों से।
पंचवटी की छाया में है सुन्दर पर्ण-कुटीर बना,
उसके सम्मुख स्वच्छ शिला पर धीर वीर निर्भीक मना,
जाग रहा यह कौन धनुर्धर जब की भुवन-भर सोता है?
भोगी कुसुमायुध योगी-सा बना दृष्टिगत होता है।।

प्रश्न-iउपरोक्त पंक्तियों में वर्णित प्रकृति की सुन्दरता को अपने शब्दों में लिखिए।

iiकौन धनुर्धर जाग रहा है?

iiiपंचवटी में किसकी कुटी बनी हुई है?

प्रश्न-23 (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी अनुवाद अपने शब्दों में कीजिए- 1+3=4

(i) श्री कृष्णस्य मातुलः कंसः अत्याचारी शासकः आसीत्। स पूर्वं स्वभगिन्याः देवक्याः श्रीवासुदेवेन सह विवाहम् अकरोत्, पश्चाच्य आकाशवाण्या देवकीपुत्रेण स्वमृत्युसमाचारं विज्ञाय उभावपि कारागारे न्यक्षिपत्। तत्रैव कारागारे श्रीकृष्णः जातः।

अथवा

(ii) विश्वविश्रुतः स्वामी विवेकानन्दः अस्यैव महाभागस्य शिष्यः आसीत्। तेन न केवलं भारतवर्षे अपितु पाश्चात्यदेशेष्वपि व्यापकस्य मानवधर्मस्य डिण्डिमघोषः कृतः। तेन अन्यैश्च शिष्यैः जनानां कल्याणार्थं स स्थाने-स्थाने रामकृष्णसेवाश्रमाः स्थापिताः। ईश्वरानुभवः दुःखितानां जनानां सेवया पुष्यति, इति रामकृष्णस्य महान् सन्देशः।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी अनुवाद कीजिएः 1+3=4

(i) चक्षुषा मनसा कर्मणा च चतुर्विधम्।
प्रसादयति या लोकं तं लोको नु प्रसीदति।।

अथवा

(ii) स च नित्यं प्रशान्तात्मा मृदुपूर्वं च भाषते।
उच्चमानोडपि परुषं नोत्तरं प्रतिपद्यते।।

प्रश्न-24 'दीपदान' एकांकी अथवा'लक्ष्मी का स्वागत'एकांकी के कथासंगठन पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

अथवा

Downloaded from cclchapter.com

'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्रश्न-25(क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी किन्हीं दो रचनाओं का नाम लिखिए: 3+1=4

i-आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेद्वी

ii-रवीन्द्रनाथ टैगोर

iii-महादेवी वर्मा

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी किन्हीं दो रचनाओं का उल्लेख कीजिए: 3+1=4

i-कबीरदास

ii-मीराबाई

iii-मैथिलीशरण गुप्त।

प्रश्न-26 अपनी पाठ्य-पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुए कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो। 2

प्रश्न-27 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए: 2+2=4

(अ) रामकृष्णस्य कः महान् संदेशः?

(ब)कीदृशी मार्गः सर्वोत्तमः भवति?

(स)रामः गाम्भीर्ये केन समः आसीत्?

(द)सर्वेषां जनानां प्रियः कः भवति?

प्रश्न-28निम्नलिखित मुहावरे एवं लोकोक्ति में से किसी एक का अर्थ बताते हुए वाक्य प्रयोग कीजिए। 1+1=2

i. उल्टी गंगा बहाना।
ii. एक अनार सौ बीमार।
iii. आटा गीला होना।
iv. आस्तीन का साँप होना।

प्रश्न-29 निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए: 2+2=4

(अ) वह आँख से काना है।

(ब) सज्जन सुख से जीते है।

(स) राम जाता है।

(य)बालिका पढ़ती है।

प्रश्न-30 शुल्क-मुक्ति हेतु अपने प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

Downloaded from cclchapter.com

अपने प्रधानाचार्य को सम्बोधित करते हुए एक प्रार्थना-पत्र लिखिए जिसमें अस्वस्थ होने के कारण एक दिन का आकस्मिक अवकाश माँगा गया हो।

Downloaded from cclchapter.com